14

प्रेषक,

मनीषा पंवार. सचिव. उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यगिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून, दिनांकः 26 जुलाई,2010

विषयः राज्य के रामस्त राजकीय इण्टरनीडिएट कॉलेजों-गें विझान क्लब की स्थापना किये जाने के संबंध में।

महोदया,

उपर्शृतत विषयक -आपके पत्र संख्या/अका0/17771/विक0/2010-11. विनंद्र कर जुलाई, 2010 के संबंध में भुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि भी पान्यकार महोदय के समस्त राजकीय इण्टरमीडिएट कॉलेजों में विज्ञान क्लब स्थापित किये जाने की सहर्ष अनुमति प्रदान करते हैं। राजकीय इण्टर कॉलेजों में विज्ञान क्लब के गठन की रूपरेखा निम्न प्रकार होगी:-

(क) उद्देश्य-

- 1. बच्चों में छिपी वैज्ञानिक प्रतिभा को उजागर करने हेतु उचित अवसर एवं मंच प्रदान करना।
- 2. छात्रों में वैज्ञानिक अभिरूचि उत्पन्न करना।
- 3. विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता विकसित करना।
- 4. देश-विदेश में विज्ञान के क्षेत्र में हो रही गतिविधियों से परिचित कराना।
- स्थानीय परिवेश एवं पर्यावरण संरक्षण में सहभागिता करना व छात्रों में प्राकृतिक सम्पदा के संरक्षण का भाव उत्पन्न करना।
- ज्ञान व कौशल के अर्जन हेतु छात्रों को उत्प्रेरित करना।
- 7. छात्रों में स्वतन्त्र चिन्तन व मोलिकता का सृजन करना।
- 8. दैनिक जीवन में विज्ञान के समुचित प्रयोग को बढ़ावा देना।
- 9. छात्रों में रचनात्मक, सृजनात्मक कौशलों का विकास करना।
- 10. छात्रों को सीखने, समझने और अनुकरण करने का प्रयोप्त अवसर उपलब्ध कराना।

(ख) संरचना-

1. प्रधानाचार्य - संरक्षक

2. वरिष्ठ विज्ञान शिक्षक - अध्यक्ष

एक विज्ञान शिक्षक – सचिव

/---

क्रमशः.....2



14

4.	एक विज्ञान का छात्र	-	सह सचिव
Ď.	एक छात्र/एक शिक्षक	inni 🚣	कोपाध्यक्ष
õ.	एक छात्र	linus II - w	सह कोपाध्यक्ष
' .	प्रत्येक कक्षा का मॉनीटर		प्रचार सहायक

- विज्ञान में रूचि रखने वाले शिक्षक एवं
 कर्मचारी (प्रधानाचार्य द्वारा चयनित)
- 9. विज्ञान के क्षेत्र में कार्य कर रहे वैज्ञानिक शिक्षक /अभिनावक एवं अन्य कोई भी ककित सदस्यता शुल्क देकर आमंत्रित सदस्य वन सकेंने।
- (ग) क्लब का नानकरण- उस्पात वैज्ञानिको के नान पर क्लब का नानकरण किन्न काचेकाः विभि । विद्यालय पृथक-पृथक नामों के चयन का प्रयास करेंग।

(घ) किया-कलाप:-

- विमान द्वारा निज्ञान के दोत्र में संचारित कार्या है महिन्दिनों नातः विज्ञान प्रदर्शनी/विज्ञान संगोष्ठी/राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस आदि की सूचना विद्यालय स्तर पर प्रसारित करवाना।
- 2. विज्ञान के क्षेत्र में होने वाली प्रतियोगिताओं / गतिविधियों में विद्यालय का प्रतिभाग सुनिश्चित करना।
- विज्ञान गतिविधियों / प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को उचित मार्ग-दर्शन / विशेषज्ञ परामर्श प्रदान कराना।
- 4. विभिन्न गतिविधियों / कार्यक्रमों में विद्यालय की ओर से प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को कार्यक्रम की तैयारी / मार्ग दर्शन हेतु आवश्यक / यथासम्भव आर्थिक सहयोग प्रदान करना।
- 5. विद्यालय स्तर पर विज्ञान के कार्यकारी मॉडल / वैज्ञानिक चार्टस आदि से सम्बन्धित प्रतियोगिताओं का विद्यालय स्तर पर आयोजन।
- विद्यालय की विज्ञान प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण एवं समुचित उपयोग के लिए सहयोग एवं विषय—विशेषज्ञों का परामर्श उपलब्ध कराना।
- 7. निज्ञान के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों/शिक्षकों/अनुसंधान कर्ताओं/कार्यकर्ताओं को समय-समय पर विद्यालय में आमंत्रित कर उनके अनुभव परामर्श एवं दिशा-निर्देशन से विद्यालय को लाभान्वित कराना।
- 8. माह जुलाई से 15 सितम्बर, तक विद्यालय परिसर एवं आस—पास के क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यकम के आयोजन/संचालन में पर्यावरण क्लब/एफ०एफ०एफ० (फूट फॉर प्यूचर) को सहस्रोग देना इनकी अनुपरिधांते में पर्यावरण सम्बन्धी कार्यों का आयोजन करना।
- 9. 28 फरवरी विज्ञान दिवस के अवसर पर विद्यालय में विशेष कार्यकम का

क्रमशः.....3



- आयोजन करना जिनमें वर्ष भर में विभिन्न गतिविधियों में उल्लेखनीय प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मानित करना।
- 10. विद्यालय के निकटवर्ती क्षेत्रमें विज्ञान के प्रचार-प्रसार हेतु कार्य करना।
- 11. निकटवर्ती विद्यालीय विज्ञान क्लवों से सह—सम्बन्ध स्थापित कर उपलब्ध जानकारियों का आदान—प्रदान करना।
- 12. विभिन्न वैज्ञानिक पत्रिकाओं / पुस्तकों पर आधारित विज्ञान पुस्तकालय (कार्नर) की स्थापना करना। विद्यालय साइंस यूथ तैटर का प्रकाशन करना।
- 13. प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों के जन्म दिवस के अवसर पर उनके द्वारा को गया खाजा एवं उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों की जानकारी उपलब्ध कराना।
- 14. जिला स्तरीय विज्ञान क्लबके कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता निभाना।
- 15. निदंशालय/एस०सा०इं०आर०टा०/मण्डल एव जनपद स्तर से विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन में प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से अपनी सहभागिता करना तथा इस कार्यक्रमों का आयोजन अपने विद्यालय में करवाये जाने का प्रयास करना।
- 16. शैक्षिक / वैज्ञानिक भ्रमण का आयोजन करना।
- विद्यालयों में छात्रों के सहयोग से म्यूजियम की स्थापना करना।
 (च) आय- सदस्यता शुल्क, राजकीय अनुदान, विभिन्न व्यक्तियों, संस्थाओं एवं स्रोतों से प्राप्त धनराशि।

(छ) सदस्यता शुल्क-

कक्षा—6 सं लेकर कक्षा—8 तक निःशुल्क सदस्यता प्रदान की जायेगी ग्रंव कक्षा—9 से 12 तक 10 रू० प्रतिछात्र तथा अन्य सदस्य रू० 50 प्रतिवर्ष। (शुल्क की दरें विद्यालय स्तर पर परिस्थितिनुरूप क्लब की सर्व सम्मति से घटाई बढ़ाई जा सकती है) धनराशि संयुक्त खाते में जमा की जायेगी। संयुक्त खाते का संवालन कोषाध्यक्ष-एवं सह कोषाध्यक्ष द्वारा क्लब ने पारित प्रस्तावों के अनुरूप किया जायेगा।

(ज) बैठक:-

क्लब की बैठक प्रत्येक माह के अंतिम सप्ताह में किसी कार्य-दिवस अथवा शुल्क दिवस पर आयोजित की जायेगी। नवीन सत्र में विद्यालय खुलने पर प्रथम बैठक में क्लब का पुनर्गठन किया जायेगा।

28 फरवरी विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेष बैठक का आयोजन किया जा सकता है, जिसमें विशेष आमंत्रित सदस्यों को भी आगंत्रित किया जा सकता है। आवश्यकतानुसार विशेष अवसरों पर भी बैठक का आयोजन किया जा सकता है।

8194

14

(झ) अभिलेख—

कलब के आय—व्यय एवं बैठकों के कार्यों के लेखे—जांखे हेतु पृथक—पृथव

पंजिकायें तैयार की जांयेगी। आय—व्ययक पंजिका कोपाध्यक्ष/

सहकोषाध्यक्ष द्वारा रक्षित की जायेगी। बैठकों के कार्यवृत/पत्राचाः

सम्बन्धी पंजिका/पत्रावली सचिव/सहसचिव द्वारा रक्षित की जायेगी।

(ट) <u>पंजीकरण</u> प्रत्येक क्लव कालान्तर में एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली में विज्ञान क्लब् प्रकोष्ठ में अपना पंजीकरण करायेगा।

(ठ) समन्वय- 1. जिला विज्ञान वलव से।

- 2 मण्डलीय संयुक्त निदेशक (अकादमिक) से।
- विज्ञान प्रकोच्ड एस०सी०ई०आर०टी० से।
- 4. ल्कादिनक अनुनाग शिक्षा निदेशालय से।
- 5. टू-कोस्ट सं।
- एन०सी०ई०आर०टी० से।
- वैज्ञानिक/ संस्थायँ/विद्यालय आदि।
 कृपया समस्त राजकीय इण्टर कॉलेजों में उपर्युक्तानुसार विज्ञान क्लबों की

स्थापना कराया जाना सुनिश्चित कराने का कष्ट करें।

भवदीया, / (मनीषा पंवार) सचिव।

पृष्ठांकन संख्याः 1236(1)/XXIV-3/10/03(01)10 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि:- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड, देहरादून।

- 2. निजी सचिव, मा० राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विद्यालयी शिक्षा, उत्तराखण्ड।
- 3. मण्डलायुक्त गढ़वाल / कुमॉयू।
- 4. समस्त जिलाधिकारी उत्तराखण्ड।
 - 5. अपर सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय अनुभाग-4 (घोषणा अनुभाग)
 - अपर निदेशक एस०सी०ई०आर०टी०, नरेन्द्रनगर, टिहरी।
 - मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल / कुमॉयू मण्डल।
 - समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 10. गार्ड फाईल।